आज़ादी का अमृत महोत्सव

राजस्थान साहित्य अकादमी
(राजस्थान सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)

सेक्टर 4, हिरणमगरी,
उदयपुर (राज.) – 313 002
दूरभाष : (0294) 2461717

क्रमांक : रासाअ/समरोह/2021–22/1070 दिनांक : 28 जनवरी, 2022

राजस्थान साहित्य अकादमी के 64वे स्थापना दिवस तथा आजादी के अमृत महोत्सव का समारोहपूर्वक आयोजन

उदयपुर/28 जनवरी, 2022 राजस्थान साहित्य अकादमी के 64वे स्थापना दिवस एवं आजादी के अमृत महोत्सव का समारोहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में मन मोहन मधुकर ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णकुमार शर्मा, अध्यक्ष श्री राजेन्द्र भट्ट संभागीय आयुक्त एवं अकादमी प्रशासक तथा मुख्य वक्ता के रूप में कवि साहित्यकार श्री मनोज कुमार शर्मा की उपस्थिति रही। इस अवसर पर अपने विचारों तथा अनुभवों को प्रकट करते हुए डॉ. के.के. श्र्मा ने राजस्थान साहित्य अकादमी की आद्योपांत विकास यात्रा का विश्वनीय तथा समृद्ध अवलोकन प्रस्तुत किया तथा राज्य के अनेक लेखकों, कवियों, साहित्यकारों को अकादमी द्वारा दिए गए सहयोग, प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन को रेखांकित करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अकादमी की छवी तथा स्मृतियों को प्रकट किया। मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए श्री मनोज कुमार शर्मा, (जयपुर) ने जीवन के हर क्षेत्र में, हर स्तर पर सक्रिय लोगों की सफलता की दृष्टि से संवेदना, कोमल भावों तथा मानवीय नज़रिए कि आवश्यकता पर बल दिया। साहित्य के क्षेत्र में धीरज, सहनशीलता तथा गंभीरता के तत्वों को रेखांकित करते हुए कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होने के साथ–साथ मशाल का काम भी करता है। उन्होंने अपनी कुछ कविताओं का पाठ भी किया। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए श्री राजेन्द्र भट्ट ने कहा कि अकादमी ने अब तक जिस तरह की सक्रियता और जीवंत सहभागिता निभा कर प्रांत के साहित्यकारों का सहयोग किया है, वह भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा। इस क्रम ने श्री भट्ट ने रचनाकारों से निरंतर सृर्जनरत रहते हुए अपने मौलिक विचारों तथा सुझावों के साथ आगे आकर सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने अकादमी के अब तक के अध्यक्षों तथा पदाधिकारियों का स्मरण करते हुए उनके योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर आयोजित कवि गोष्ठी में ज्योतिपुंज, इकबाल हुसैन, खुर्शीद शेख, जगजीत निशात, मधु अग्रवाल, अरविन्द आशिया इत्यादि कवियों ने कविता पाठ किया। इस अवसर **मधुमती** के पूर्व सम्पादक एवं प्रसिद्ध आलोचक कुंदनमाली, गौरीकांत शर्मा, चेतन औदिच्य, हेमेन्द्र चण्डालिया, हुसैनी बोहरा, तरूण दाधीच, जगदीश तिवारी, सुरेश सालवी, निर्मला शर्मा, सिम्मी सिंह, आशा पाण्डेय ओझा, किरनबाला, नवनीतप्रिया शर्मा, मनोहरलाल श्रीमाली, लोकेश चौबीसा, अशोक मंथन, ममता जोशी, अनुश्री राठौड़, करूणा दशोरा, अनिल चतुर्वेदी, कुसुमलता टेलर तथा रामदयाल मेहर आदि रचनाकार उपस्थित रहें। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए अकादमी सचिव डॉ. बंसत सिंह सोलंकी ने सभी साहित्यकारों से अकादमी के तमाम कार्यक्रमों एवं गतिविध्यों में सक्रियतापूर्वक भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन शकुंतला सरूपरिया ने किया।

निःशुल्क प्रेस नोट प्रकाशनार्थ सादर प्रेषित है ।

श्री सम्पादक महोदय,

भवदीय,

(डॉ.बसंत सिंह सोलंकी)
सचिव.

press not new